# श्री मनसुख मांडविया जी के प्रोफाइल

श्री मनसुख मांडविया जी, भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) एवं रासायनिक व उर्वरक राज्य मंत्री हैं। श्री मांडविया जी का जन्म गुजरात राज्य के पलिताना जिले में हनोल नामक एक छोटे से गाँव में एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ था।उन्होंने भावनगर विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

श्री मांडविया जी अपनी युवावस्था से ही राजनीति में बहुत सक्रिय थे और लोगों की सेवा कर रहे थे। बाद में वह एबीवीपी का सदस्य बने और जल्द ही उन्होंने एबीवीपी, गुजरात इकाई के राज्य कार्यकारी समिति के एक सदस्य के रूप में अपना पद अलंकृत किया। उनकी बुद्धि, ज्ञान कौशल व कड़ी मेहनत करने की जज्बा को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा के नेता और फिर पलिताना भाजपा इकाई के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने गुजरात में सबसे कम उम्र के विधायक होने का गौरव भी प्राप्त किया।

लोगों की सेवा करने और उनके उत्थान हेतु कड़ी मेहनत करना ही उनका एकमात्र लक्ष्य था और इस लिए उन्होंने बालिका शिक्षा, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ और व्यसन हटाओ अभियान चलाते हुए 123 और 127 किलोमीटर के दो पदयात्राओं का आयोजन किया। 38 साल के युवा उम्र में, उन्हें राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुना गया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्र के विभिन्न स्थाई समिति के भी हिस्सा बने।

उनके अथक श्रम व बुद्धिमत्ता के लिए उन्हें, वर्ष 2013 में राज्य भाजपा इकाई के सचिव और वर्ष 2014 में महासचिव के रूप में नियुक्त किया ग या। बाद में सन् 2014 में, उन्हें भाजपा के उच्च तकनीक और मेगा सदस्यता अभियान के लिए गुजरात राज्य प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया , जिसके कारण गुजरात में 1 करोड़ लोग भाजपा में शामिल हुए।

श्री मांडविया जी अपने बौद्धिक विश्लेषण व वैचारिक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं , जिसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में "सतत विकास के लिए एजेंडा -2030 शीर्षक पर" अपने भाषण में प्रदर्शित किया। उन्होंने भारत को सबसे तेज गति से आगे बढ़ने में मदद करने के लिए कुशल व प्रभावी नीतियों व प्रबंधन के अन्वेषण में कई देशों की यात्राएं की।

5 जुलाई 2016 को, उन्होंने भारत सरकार के सड़क परिवहन व राजमार्ग, पोत परिवहन और रासायनिक व उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। एक मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने बड़े ही

प्रभावी व कुशलता से कार्य को पूरा करने के लिए बहुत सारी योजनाओं और विचारों को लागू किया है।

मार्च, 2018 में उन्हें राज्यसभा के सांसद के रूप में दूसरी बार चुना गया।

अपने निर्णायक और साहसिक नेतृत्व के साथ उन्होंने प्रति दिन सड़क निर्माण की गति बढ़ाने में मदद की है , यूरिया और अन्य उर्वरकों की लागत को कम किया है , सस्ती दरों पर 800 से अधिक दवाएँ उपलब्ध कराने के लिए 4000 से अधिक जनऔषधि भंडार स्थापित कि या है, और हार्ट स्टेंट और घुटने के प्रत्यारोपण लागत को कम किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आम आदमी , किसानों और व्यवसायों की बहुत सहायता की है।

श्री मांडविया जी दो बार राष्ट्रपति के साथ और एक बार उपराष्ट्रपति के साथ विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर और अन्य राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का हिस्सा रहे हैं। एशियाई महाद्वीप में उन्होंने चीन , इजरायल, ओमान, नेपाल, दुबई और उज्बेकिस्तान का दौरा किया है। उन्होंने इंग्लैंड और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों, ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों का भी दौरा किया। उन्होंने अफ्रीका के कई देशों जैसे केन्या , युगांडा, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया, हंगरी, इक्वेटोरियल गिनी , स्वाज़ीलैंड और ज़ाम्बिया का दौरा किया है। ओशिनिया क्षेत्र में श्री मांडविया जी ने न्यूजीलैंड , टोंगा, फिजी और ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया।

उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत , संगठनात्मक कौशल और बुद्धि मता से नए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सन 2019 में फिर से , उन्होंने भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय एवं रसायन व उर्वरक राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।

******